THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

UP BOARD EXAM 2023

अर्थशास्त्र (Economics)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंकीय प्रश्न)

1. **बजट रेखा को परिभाषित कीजिये । यह दायीं ओर कब खिसकता है ?**

   उत्तर:- बजट रेखा / कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त काफ्ती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के अधर पर खरीद सकता है।

   बजट रेखा दाई ओर दो कारणों से खिसकता है -

   A) उपभोक्ताओं की आय में परिवर्तन होने पर

   B) वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने पर

2. **मांग की कीमत लोच ज्ञात करने की अनुपातिक रीति का सूत्र लिखिए ।**

   उत्तर:- मांग की कीमत लोच,

$$Ed = \Delta Q / Q \times P / \Delta P$$

3. **समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं बताये ।**

   उत्तर:- समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं -

   1. सामुहिक अर्थशास्त्रीय विरोधाभास
   2. व्यक्तिगत इकाइयों की अवहेलना

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

4. राजस्व व्यय के किन्ही तीन मदों के नाम लिखिए ।

उत्तर:- राजस्व व्यय की मदें -

1. सरकारी कर्मियों का वेतन
2. व्याज का भुगतान
3. पेंशन एवं सरकारी कार्यलयों का व्यय

5. अल्पकाल एवं दीर्घकाल में भेद लिखये ।

उत्तर :- अल्पकाल का अर्थ है अल्प अवधि का समय अर्थात एक वर्ष से कम की अवधि जबकि दीर्घकाल का अर्थ होता है रक लम्बी अवधि एक वर्ष से अधिक की अवधि ।

6. पैमाने के प्रतिफल का अर्थ लिखिए ।

उत्तर:- दीर्घकाल में उत्पत्ति के सभी साधनों को एक निश्चित अनुपात में परिवर्तन करने से उत्पादन में भी परिवर्तन होता है, इसे ही पैमाने के प्रतिफल का नियम कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

7. सार्वजानिक वस्तु किओसे कहते है ?

उत्तर:- सामूहिक आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए जिन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, उन्हें सार्वजनिक वस्तुएं कहते है ।

8. औसत संप्राप्ति वक्र किसे कहते है ?

उत्तर:- किसी वस्तु की प्रति इकाई कीमत को औसत संप्राप्ति कहते है ।

9. मैक्रो इकोनॉमिक्स और माइक्रो इकोनॉमिक्स में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर: समष्टि अर्थशास्त्र में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की समग्र इकाई का अध्ययन किया जाता है जबकि व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत आर्थिक इकाइयों का अध्ययन होता है।

समष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण: राष्ट्रीय आय, बजट, आय एवं रोजगार, विदेशी विनिमय है।

जबकि व्यष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण: एक उपभोक्ता, एक फर्म, एक वस्तु का कीमत निर्धारण है

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

10. अर्थशास्त्र में उत्पादन के अर्थ को परिभाषित कीजिए।

उत्तर: अर्थशास्त्र के अनुसार किसी वस्तु की उपयोगिता में वृद्धि या उसके मूल्य में वृद्धि करने को उत्पादन कहते है ।

11. उत्पादन फलन की परिभाषा दीजिए।

उत्तर: उत्पादन के साधनों एवं उत्पादन मात्रा के बीच फलनात्मक संबंध को उत्पादन फलन कहते है।

12. सीमांत लागत का क्या अर्थ है?

उत्तर: वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन के लिए जो अतिरिक्त व्यय करनी पड़ती है उसे सीमांत लागत कहते है।

13. औसत लागत और सीमांत लागत के बीच किस प्रकार का संबंध पाया जाता है?

उत्तर: उत्पादन में वृद्धि के साथ साथ औसत लागत और सीमांत लागत दोनो में कमी आती है। जब औसत लागत घटती है तो सीमांत लागत उससे अधिक तेजी से घटती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

14. भू - राजस्व की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: खेती (उपजाऊ) वाले जमीन और निवास करने वाले भूमि पर लगाया जाने वाला सरकारी कर भू - राजस्व कहा जाता है।

15. 'राज्य उत्पाद शुल्क' पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर: उत्पाद शुल्क या आबकारी एक अप्रत्यक्ष कर है जो भारत में विनिर्माण की जाने वाली उन वस्तुओं पर लगाया जाता है जो घरेलू खपत के लिए होती हैं। यह विनिर्माण पर लगाया गया कर है जो विनिर्माता द्वारा अदा किया जाता है, जो अपना कर भार ग्राहकों पर डाल देते हैं।

16. राजस्व व्यय से आप क्या समझते है?

उत्तर: सरकार के ऐसे व्यय जिनसे न तो सरकार को संपत्तियों का निर्माण होता है और न ही दायित्वों में कोई कमी होती है, राजस्व व्यय कहते है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

17. भारत में परिवार नियोजन के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर: भारत में परिवार नियोजन के उद्देश्य:

(1) पहले बाल विवाह रोकना;

(2) पहले जन्म के समय आयु में देरी

(3) दो जन्मों के बीच अंतर बढ़ाने को बढ़ावा देना

18. **आर्थिक नियोजन में सांख्यिकी का महत्त्व बताइए।**

उत्तर: आर्थिक योजनाओं के क्रियान्वयन व संचालन में सांख्यिकी आंकड़ों को आवश्यकता होती है।

19. **पूर्ति की लोच मापने की विधियाँ समझाइए ।**

उत्तर : पूर्ति लोच को मापने की दो विधियाँ है :

1. **आनुपातिक रीति / प्रतिशत रीति** - इस रीति के अंतर्गत पूर्ति में आनुपातिक परिवर्तन या प्रतिशत में कीमत में आनुपातिक परिवर्तन या प्रतिशत परिवर्तन का भाग दिया जाता है।

   Ed = पूर्ति की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन / कीमत में प्रतिशत परिवर्तन

   $Ed = \Delta Q/Q \times P/\Delta P$

2. **बिंदु रीति / रेखा गणितीय रीति** - इस विधि से हम किसी भी बिंदु पर पूर्ति की लोच की माप कर उसे रेखा में प्रदर्षित कर ज्ञात कर सकते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

20. पूर्ण प्रतियोगिता से आप क्या समझते है ?

उत्तर:- पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की वह स्थिति है जिसमे क्रेता और विक्रेता बड़ी संख्या में समरूप वस्तु का विनिमय करते है । उनको बाजार की अवस्था का पूर्ण ज्ञान होता है तथा कीमत की प्रवृत्ति समस्त बाजार में एक समान होती है।

21. बाजार की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें ।

उत्तर:- बाजार की प्रमुख विशेषताएं -

1. बाजार का अर्थ स्थान से नहीं बल्कि क्षेत्र से होता है ।
2. बाजार किसी वस्तु विशेष का होता है ।
3. बाजार में वस्तु के क्रेता और विक्रेता मौजूद होते है ।
4. वस्तु की एक निश्चित कीमत प्रचलित होती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

22. एक साधन के प्रतिफल से क्या आशय है /

उत्तर:- यह अल्पकालीन उत्पादन फलन की अवधारणा है जिसके अंतर्गत उत्पादन के बाकि साधनों को स्थिर रखकर केवल एक साधन में ही परिवर्तन किया जाता है जिससे वस्तु की उत्पादन मात्रा में भी परिवर्तन होता है।

23. अवसर लागत क्या है?

उत्तर:- किसी वासरू की अवसर लागत वह सर्वश्रेष्ठ विकल्प है, जिसका उत्पादन उन्ही उत्पत्ति साधनों द्वारा उसी लागत पर उस वस्तु के विकल्प के रूप में करता है ।

24. कुल आगम, औसत आगम और औसत आगम से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:- **कुल आगम** - किसी वस्तु की सभी इकाईयों की बिक्री से प्राप्त आय को कुल आगम कहते है ।

औसत आगम:- वस्तु की प्रति इकाई कीमत को औसत आगम कहते हैं। कुल आगम को बिक्री की इकाइयों से भाग देकर प्राप्त राशि को औसत आगम कहते है ।

25. आर्थिक समस्या को चुनाव की समस्या क्यों कहते है ?

उत्तर:- मनुष्य की आवश्यकताएं असीमित और साधन सीमित होते है। सीमित साधनों के विभिन्न विकल्प मौजूद होते है जिनमे से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चुनाव करना होता है जिससे मनुष्य की अधुकतम आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके । वास्तव में यही आर्थिक समस्या है और इसमें सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करना करना होता है इसलिए इसे चुनाव की समस्या भी कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

26. **उपभोक्ता संतुलन का क्या अर्थ है ? इसकी मान्यताएं लिखे ।**

उत्तर:- एक ऐसी स्थिति जिसके अंतर्गत उपभोक्ता आपनी आय को किसी वस्तु पर व्यय करके अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है, उसे उपभोक्ता संतुलन कहते है ।

उपभोक्ता संतुलन की मान्यताएं-

1. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन नही होना चाहिए
2. उपभोक्ता की आदत और रूचि में कोई परिवर्तन नहीं हो
3. उपभोक्ता में व्यय करने की तत्परता बदलनी नहीं चाहिए ।

27. **"मांग और पूर्ति कैंची के दो फलक है ।" इस कथन को मूल्य निर्धारण के सन्दर्भ में व्यक्त कीजिये ।**

उतर:- जिस प्रकार किसी वस्तु को काटने के लिए कैंची के दोनों फलकों का होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार किसी वस्तु के कीमत के निर्धारण के लिए वस्तु के मांग और पूर्ति का होना आवश्यक है। जिस बिंदु पर मांग और पूर्ति दोनों बराबर हो जाते है उसी बिंदी पर कीमत का निर्धारण होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

28. **एकाधिकारी बाजार की कीमत कैसे निर्धारित होती है ?**

उत्तर:- एकाधिकारी में वस्तु की कीमत का निर्धारण एकाधिकारी (विक्रेता) स्वयं करता है । एकाधिकारी अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तु की कीमत अधिक रखना चाहता है किन्तु यदि वह अधिक मात्र का विक्रय करना चाहता है तो वस्तु की कीमत कम से कम रखना होगा ।

29. ब्याज दर कैसे निर्धारित होती है ?

उत्तर :- ब्याज दर का निर्धारण बाजार में ऋण की मांग और ऋण की पूर्ति के आधार पर होता है । जिस बिंदी पर ऋण की मग और पूर्ति आपस में समान हो जाये उसी बिंदु पर ब्याज का निर्धारण हो जाता है ।

30. आपूर्ति वक्र को खिसका सकने वाले तीन कारक बताइए ।

उत्तर:- आपूर्ति वक्र को खिसका सकने वाले तीन कारक-

1. साधनों की कीमात् में परिवर्तन
2. तकनिकी में परिवर्तन
3. स्थानापन्न वस्तुओं की केमतों में परिवर्तन

31. पूर्ति में परिवर्तन के क्या कारण है ?

उत्तर:- पूर्ति में परिवर्तन के कारण -

वस्तु की कीमतों में परिबर्तन

विक्रेताओं की संख्या में परिवर्तन

उत्पादन के साधनों की कीमतों में परिवर्तन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

32. पूर्ति की कीमत लोच को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर :- वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के कारण वस्तु की पूर्ति की मात्र में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के बीच के आनुपातिक सम्बन्ध को पूर्ति की कीमत लोच कहते है ।

33. एक वस्तु की बाजार मांग को प्रभावित करने वाले तत्व को बताइए ।

उत्तर:- वस्तु की बाजार मांग को प्रभावित करने वाले कारक-

1. वस्तु की कीमत
2. उपभोक्ताओं की आय
3. संबंधित वस्तुओं की कीमतें
4. निकट भविष्य में वस्तु की कीमत में परिवर्तन की सम्भावना

34. गिफिन के विरोधाभास को संक्षेप में समझाइए ।

उत्तर:- गिफिन वस्तुएं वह वस्तुए है जिसमे मांग का नियम लागु नहीं होता है अर्थात इस वस्तुओं की कीमतों में कमी होने से मांग में और कमी होने लगती है और कीमतों के बढने से मांग बदने लगती है जो कि मांग के नियम के विपरीत है इसलिए इसे गिफिन के विरोधाभास के रूप में जाना जाता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

35. मांग के नियम के क्या अपवाद है ?

उत्तर:- मांग के नियम के अपवाद - गिफिन वस्तुएं, मौसम में परिवर्तन, प्रतिष्ठा सूचक वस्तुएं और फैशन से संबंधित वस्तुएं ।

36. व्यष्टि अर्थशास्त्र को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर:- अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था की व्यक्तिगत और सूक्ष्म आर्थिक समस्याओं का अध्ययन किया जाता है जैसे एक उपभोक्ता , एक उत्पादक, एक वस्तु की कीमत का निर्धारण आदि , व्यष्टि अर्थशास्त्र कहते है ।

37. विनिमय किसे कहते है ?

उत्तर:- विनिमय एक ऐसी आर्थिक क्रिया है जिसके अंतर्गत वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय - विक्रय या आदान प्रदान किया जाता है ।

38. एक अर्थव्यवस्था की तीन मुख्य केंद्रीय समस्याए क्या है ?

उत्तर:- एक अर्थव्यवस्था की तीन मुख्य केंद्रीय समस्याए-

1. क्या उत्पादन किया जाये और कितनी मात्रा में किया जाये ?
2. उत्पादन कैसे किया जाये ?
3. उत्पादन किसके लिए किया जाये ?

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

39. मांग की कीमत लोच से आप क्या समझते है ?

उत्तर:- किसी वस्तु की कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के कारण उस वस्तु की मांग के मात्रा में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के बीच आनुपातिक संबंध को मांग की लोच कहते है ।

40. मांग की आय लोच से आप क्या समझते है ?

उत्तर:- उपभोक्ताओं की आय में होने वाले परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग मे होने वाले परिवर्तन के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को मांग की आय लोच कहते है ।

41. 'पैमाने के प्रतिफल' और 'साधन के प्रतिफल' में अंतर समझाइए ।

उत्तर:-

पैमाने के प्रतिफल	साधन के प्रतिफल
पैमाने के प्रतिफल का सम्बन्ध दीर्घकालीन उत्पादन फलन से है।	साधन के प्रतिफल का सम्बन्ध अल्पकालीन उत्पादन फलन से है ।
इसके अंतर्गत उत्पादन के सभी साधनों में समान अनुपात में परिवर्तन किया जाता है जिससे उत्पादन का पैमाना बदल जाता है ।	इसके अंतर्गत उत्पादन के कूछ साधनों को स्थिर रखकर कुछ साधनों में परिवर्तन किया जाट है जिससे उत्पादन में परिवर्तन होता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

42. समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं लिखिए।

उत्तर:- समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं-

1. इसमें अर्थव्यवस्था की छोटी छोटी चारो का अध्ययन नहीं किया जाता है ।
2. इसमें व्यक्तिगत व्यवहारों और सामूहिक व्यवहारों में विरोधाभास उत्पन्न होता है ।

43. आय का चक्रीय प्रवाह समझाइए ।

उत्तर:- उत्पादन प्रक्रिया के अंतर्गत वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह के फलस्वरूप साधन आय का सृजन होता है । उत्पादन आय को, आय व्यय को, फिर व्यय उत्पादन को जन्म देता है। इस प्रकार उत्पादन प्रक्रिया के अंतर्गत सृजित आय के चक्रीय प्रवाह को आय का चक्रीय प्रवाह कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

44. वैयक्तिगत आय क्या है ?

उत्तर:- व्यक्तिगत आय से आशय उस आय से है जो किसी देश में एक वर्ष की अवधि में व्यक्तियों अथवा परिवारों द्वारा वास्तविक रूप में विभिन्न कटौतियों को काटने के बाद प्राप्त होती है ।

व्यक्तिगत आय = राष्ट्रीय आय - निगम कर - अवितरित व्यवसायिक लाभ - सामजिक सुरक्षा में अंशदान + अंतरण भुगतान

45. फर्म के साम्य की आवश्यक दशाएं स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- फर्म के साम्य की आवश्यक दशाएं-

1. सीमांत आगम (MR) और सीमांत लागत (MC) बराबर होते है
2. MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटता हुआ होना चाहिए

46. 'पूर्ति अनुसूची' और 'पूर्ति वक्र' को स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- पूर्ति अनुसूची - किसी वस्तु को उसकी विभिन कीमतों पर बेचीं जाने वाली मात्राओं को दर्शाने वाली तालिका को पूर्ति तालिका कहते है ।

पूर्ति वक्र - पूर्ति अनुसूची को जिस रेखा द्वारा वक्र के रूप में प्रदर्शित किया जाता है उसे पूर्ति वक्र कहते है ।

THE ECONOMICS GURU

47. पूर्ति के नियम के अपवाद लिखिए ।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर:- पूर्ति के नियम के अपवाद-

1. कृषि पदार्थ
2. नीलामी द्वारा बेचीं जाने वाली वस्तुएं
3. भविष्य में कीमतों में परिवर्तन

48. सीमान्त प्रतिस्थापन दर क्या है ?

उत्तर:- सीमान्त प्रतिस्थापन दर उस उत्पाद की मात्रा को इंगित करती है जो एक उपभोक्ता दूसरे उत्पाद के संबंध में उपभोग करने के लिए तैयार है जब तक कि नया उत्पाद समान रूप से संतुष्टि पैदा कर रहा हो।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE